ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–61
दिनांक: मंगलवार, 11 अगस्त, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.1 एवं 25.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.9 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.3 एवं दोपहर में 36.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि 6.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(12–16 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 12 से 16 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले कुछ दिनों में अच्छी वर्षा होने की संभावना कम है। हालांकि, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जिलों के अनेक स्थानों पर 15–16 अगस्त को अच्छी वर्षा हो सकती है। बेगुसराय, समसतीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा सिवान एवं सारण जिलों मे 15 से 16 अगस्त के आस–पास वर्षा होने की संभावना है। इसके पहले इन जिलों के एक–दो स्थानों को छोड़कर आमतौर पर मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमान अवधि में अधिकतम तापमान 33–37°C तथा न्यूनतम तापमान 25–29°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 80–85% तथा दोपहर में 45–55% के बीच रहने की संभावना है।
- इस दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 5–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान: बोई गई धान की फसल में समय पर निराई–गुड़ाई करें। निराई–गुड़ाई के बाद 20 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों के प्रकोप से बचाव हेतु नियमित रूप से फसल की निगरानी करें।
- मक्का: मक्का में खरपतवार नियंत्रण के लिए समय पर निराई–गुड़ाई करें। जिन खेतों में तृणनाशी का प्रयोग नहीं किया गया है, वहाँ कतारों के बीच खुरपी से खरपतवार निकालें। निराई–गुड़ाई के बाद 40 किग्रा यूरिया प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें तथा उचित नमी की स्थिति में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- मिश्रीकंद: ऊँचास जमीन एवं अच्छी जल निकास वाली जमीन में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित *राजेन्द्र मिश्रीकंद–1* एवं *राजेन्द्र मिश्रीकंद–2* किस्मों की 30–40 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से 30×15 सेमी दूरी पर बुआई करें। प्रति हेक्टेयर 200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई कम्पोस्ट/गोबर की खाद, 80 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फॉस्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश व्यवहार करें। नाइट्रोजन की आधी तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय दें और शेष नाइट्रोजन 40–45 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें।
- खरीफ प्याज: रोपाई अगस्त के अंत तक पूरी कर लें। खेतों की नमी का उपयोग कर खेत की तैयारी करें तथा जुताई के समय 150–200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर उपयोग करें। 45–55 दिन पुरानी पौध की 15X10 सेमी दूरी पर रोपाई करें। नर्सरी को खरपतवार मुक्त रखें तथा तेज धूप से बचाव के लिए क्यारी से 6–7 फीट ऊँचाई पर शेड नेट लगाएँ।
- शकरकंद: शरद्कालीन फसल के लिए अच्छी जल निकास वाली हल्की बलुई दोमट भूमि में तैयारी शुरू करें। 2–3 जुताई कर खेत को भुरभुरा एवं समतल करें तथा पहली जुताई से पहले 100 क्विंटल कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर मिलाएँ। अंतिम जुताई के समय 60 किग्रा नाइट्रोजन, 40 किग्रा फॉस्फोरस एवं 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर की पूरी मात्रा दें। 30×30 सेमी दूरी पर रोपाई हेतु खेत तैयार करें तथा अगस्त के अंतिम सप्ताह से रोपाई शुरू करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियाँ: वर्षा ऋतु में लौकी, तोरई, करेला, खीरा एवं रिज गार्ड में फल मक्खी के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। संक्रमित फलों को तोड़कर खेत से बाहर निकालें और मिट्टी में दबा दें।
- खरपतवार प्रबंधन: मक्का, हल्दी, सब्जियों, धान एवं प्याज में समय पर निराई–गुड़ाई करें, ताकि खरपतवार की वृद्धि कम हो जिससे फसल की अच्छी वृद्धि एवं विकास हो सके।
- पशुपालन: पशुओं को हरे एवं सूखे चारे के साथ संतुलित मात्रा में दाना मिश्रण दें तथा पशुशाला में साफ–सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.0 डिग्री सेल्सियस, जो से 2.9 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.9 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी